Q11. हाल ही में आप केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त महानिदेशक नियुक्त हुए हैं । आपके प्रभाग के मुख्य आर्किटेक्ट, जो छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर उत्साहपूर्वक कार्य कर रहे हैं, जिसका सफल समापन उनके बचे हुए जीवन में एक स्थायी प्रतिष्ठा हासिल करेगा ।

मैनचेस्टर आर्किटेक्टचर स्कूल, यूके से प्रशिक्षित, एक नई महिला आर्किटेक्ट, सीमा ने आपके प्रभाग में बतौर वरिष्ठ आर्किटेक्ट कार्यभार सम्भाला है । इस प्रोजेक्ट के बारे में विवरण देने के दौरान, सीमा ने कुछ सुझाव दिए जो न केवल प्रोजेक्ट में मूल्य वृद्धि करेंगे, बल्कि प्रोजेक्ट की समापन अवधि भी घटा देंगे । इससे मुख्य आर्किटेक्ट असुरक्षित हो गए और सारा श्रेय सीमा को प्राप्त होने की उन्हें लगातार चिन्ता होने लगी । नतीजन, उसने सीमा के प्रति एक निष्क्रिय और आक्रामक व्यवहार अपना लिया जो सीमा के लिए अपमानजनक हो गया । सीमा उलझन में पड़ गई क्योंकि मुख्य आर्किटेक्ट उसे नीचा दिखाने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं । वह अकसर दूसरे सहयोगियों के सामने सीमा को ग़लत ठहराते और उससे ऊँची आवाज़ में बात करते । इस लगातार उत्पीड़न से सीमा आत्मविश्वास और आत्मसम्मान खोने लगी । वह लगातार तनाव, चिंता और दबाव महसूस करती । ऐसा प्रतीत हुआ कि सीमा मुख्य आर्किटेक्ट से डर भरे विस्मय में थी क्योंकि वह एक लम्बे समय से कार्यालय में थे और उनके पास इस कार्य क्षेत्र में व्यापक अनुभव था ।

सीमा की उत्कृष्ट शैक्षणिक योग्यता और पूर्व संस्थाओं में कैरियर रिकॉर्ड से आप अवगत हैं । हालाँकि, आपको डर है कि इस उत्पीड़न से सीमा को इस महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट में अत्यन्त आवश्यक योगदान पर समझौता करना पड़ सकता है और यह उसकी भावात्मक कुशलता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है । आपको अपने समकक्ष लोगों से भी पता चला है कि वह त्यागपत्र देने के बारे में सोच रही है ।

(a) उपर्युक्त मामले में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं ?

(b) प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए तथा सीमा को संस्था में बनाए रखने के लिए आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं ?

(c) सीमा की दुर्दशा के लिए आपकी क्या प्रतिक्रिया होगी ? संस्था में ऐसी घटनाएँ रोकने के लिए आप क्या कदम उठाएँगे ?

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Student Name: RAVI RAAZ
Topic: ETHICS CASE STUDY
Date: 04/08/2025

IAS Mentorship
With Reyasat Ali Sir & Team I 9580393900 Call Telegram WhatsApp

Case study Q. No. 11

उपर्युक्त केस स्टडी में लोक संस्थाओं मे निहित विद्यमान समंतीचेतना, गलाकाट प्रतिस्पर्धा, वर्चस्ववाद तथा श्रेय लेने की होड़ जैसी नैतिक खामियों को उजागर किया गया है।

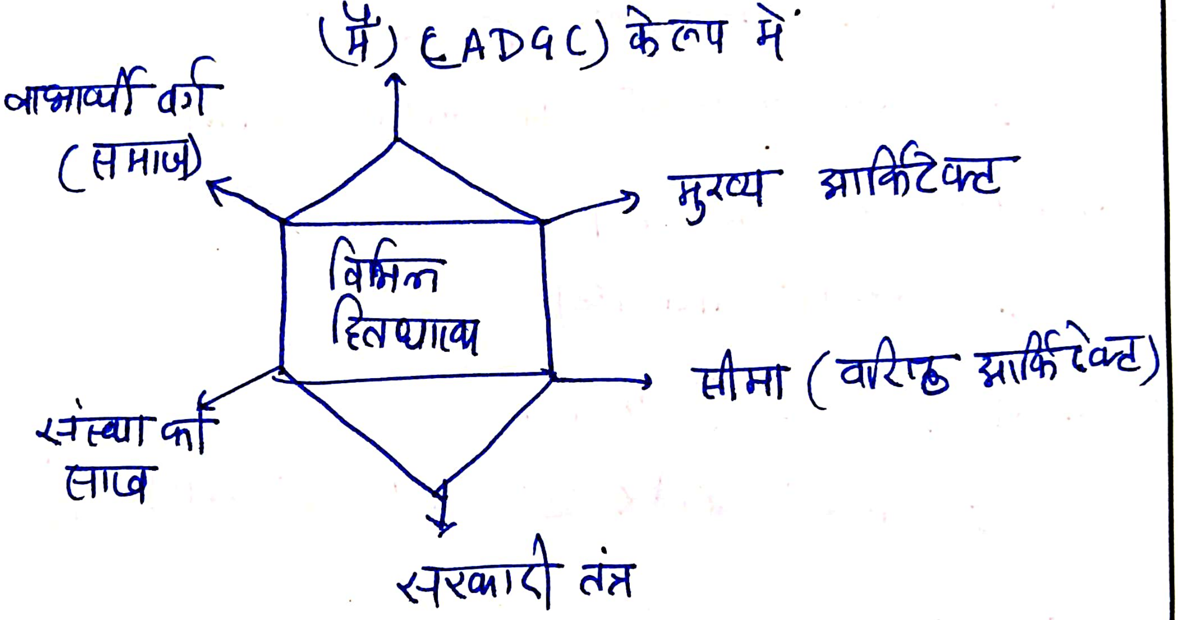

① मामले में निहित नैतिक मुद्दे :-

↳ (1.) ~~लोकाधिकार~~ लोक अधिकारियों की सामंती चेतना

▷ चीफ आर्किटेक्ट का कठोर व रूढ़िवादी व्यवहार

IAS Mentorship
By Reyasat Ali Sir & Team I 9580393900 Call Telegram WhatsApp

(2) पेशेवर दक्षता व नैतिकता का उल्लंघन।

▷ कैरियर को गौरवपूर्ण बनाने के लिए प्रयोक्ता की दक्षता के साथ समझौता।

(3) अनुचित कार्य संस्कृति।

▷ टीम भावनों को स्थान पर श्रेय लेने की भावना।

(4) योग्यता पर वरिष्ठता को वरीयता।

▷ चीफ आर्किटेक्ट का अहंकारी व्यवहार

(5) सत्यनिष्ठा का अभाव।

▷ पेशेवर सत्यनिष्ठा

(6) साहस व दृढ़ता में कमी।

▷ वरिष्ठ आर्किटेक्ट सीमा के व्यवहार में

(b) मेरे पास उपलब्ध विकल्प :-

(1) विकल्प -1 चीफ आर्किटेक्ट की बात मानते हुए वरिष्ठ आर्किटेक्ट की उपेक्षा कर दूँ

पक्ष

1. चीफ आर्किटेक्ट का करियर शानदार होगा
2. परियोजना समय पर पूरा होगा (समयबद्धता)
3. परियोजना लागत योजना के अनुरूप रहेगा (मितव्ययता)

विपक्ष

1. कार्य संस्कृति दुष्प्रभावित होगी।
2. सीमा जैसे अन्य योग्य कर्मचारियों का मनोबल कमजोर होगा।
3. परियोजना की दक्षता के साथ समझौता।

विकल्प -2 → वरिष्ठ आर्किटेक्ट सीमा की बात मानते हुए चीफ आर्किटेक्ट की उपेक्षा करेगा।

पक्ष

1. परियोजना की दक्षता मे सुधार होगा।
2. कार्यालय में पेशेवर दक्षता का महत्व स्थापित होगा
3. जनउपयोगी योजनाएँ बेहतर होगी

विपक्ष

1. परियोजना को पूर्ण होने मे देरी
2. चीफ आर्किटेक्ट के मनोबल पर नकारात्मक प्रभाव
3. परियोजना लागत में वृद्धि

IAS Mentorship
By Reyasat Ali Sir & Team I 9580393900 Call Telegram WhatsApp

विकल्प - 3 दोनों से बात-चीत कर समन्वय के साथ उपयुक्त कदम उठाना

पक्ष

1. दोनों को संतुष्ट किया जा सकता है।
2. योजना की दक्षता व समयबद्धता के बीच सही संतुलन
3. कार्यालय के कार्य-संस्कृति पर सकारात्मक प्रभाव

विपक्ष

1. समन्वय आसान नहीं
2. चीफ आर्किटेक्ट के कैरियर को अपेक्षित लाभ नहीं।
3. 'समायोजन' का सिद्धांत हमेशा सही नहीं।

(C.) मेरी प्रतिक्रिया व कदम

1. मीरा से बात-चीत करूंगा साथ ही चीफ आर्किटेक्ट के अनुभव का प्रयास भी करूंगा।
2. वरिष्ठता तथा निजी हित के स्थान पर योग्यता व कार्य दक्षता पर बल दूंगा।
3. सरकारी नियमों के अनुसार प्रोजेक्ट की दक्षता के लिए सर्वोत्तम प्रथा अपनाऊंगा।
4. संस्था में प्रतिस्पर्धा के स्थान पर टीम भावना को प्रश्रय दूंगा
5. ~~दण्ड एवं पुरस्कार~~ प्रोत्साहन की नीति अपनाऊंगा

परियोजना का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता को ध्यान रखते हुए किया जाना चाहिए